



सुबह सुबह

subhaverenews@gmail.com
facebook.com/subhaverenews
www.subhaverenews
twitter.com/subhaverenews

सुप्रभात

बाबा! डूबती करती को किनारा मिल जाए, चुनाव में कोई अच्छा सा नारा मिल जाए।

एक-एक कर सभी निजाम हारते जा रहे हैं, भूख से अधमरे पशुओं को चारा मिल जाए।

पूरा आकाश न मिले कोई फर्क नहीं पड़ता, हमें तो फ़क़त चाँद और सितारा मिल जाए।

हम भी उत्सव मना लें, थोड़ी सा खुश हो लें, अंबर में उड़ने को कोई गुब्बारा मिल जाए।

बहुत दिनों से आँखों ने रंगीनियाँ नहीं देखी, काश! हमें भी कोई हसी नजारा मिल जाए।

हमारे भी सोए हुए नसीब फिर से जग जाएँ, कहीं से कोई हल्का सा इशारा मिल जाए।

- डॉ. रामेश्रम तिवारी

काशी : सुबह सवेरे



फोटो: पंकज शर्मा

‘एमपी ई-सेवा’ से डिजिटल गवर्नेंस को मिला सशक्त आधार: मुख्यमंत्री

56 विभागों की 1700 सेवाएँ एक ही पोर्टल पर उपलब्ध

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ‘एमपी ई-सेवा पोर्टल और मोबाइल ऐप’ के माध्यम से प्रदेश में डिजिटल गवर्नेंस को सशक्त आधार मिला है। इससे नागरिक सेवाएँ अब अधिक सरल, सुगम और सुलभ हुई हैं। डिजिटल तकनीक आज सुशासन की आधारशिला बन चुकी है और प्रदेश इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ते हुए देश में नई पहचान स्थापित कर रहा है। अब प्रदेशवासियों को विभिन्न विभागों की सेवाओं के लिए अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर जाने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि एक ही मंच पर सभी सुविधाएँ सहज, त्वरित और पारदर्शी रूप में उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस पहल से सेवा वितरण प्रणाली अधिक जवाबदेह और सुव्यवस्थित बनी है। साथ ही नागरिकों के समय एवं संसाधनों की बचत सुनिश्चित हुई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह एकीकृत नागरिक सेवा मंच 56 विभागों की 1700 से अधिक सरकारी सेवाओं और योजनाओं को एक ही डिजिटल विंडो पर उपलब्ध करा रहा है। वर्ष 2026 तक 100 प्रतिशत ई-सेवा डिलीवरी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जो प्रदेश को डिजिटल गवर्नेंस के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम (एमपीएसईडीसी) के सेंटर फॉर एक्सीलेंस द्वारा विकसित यह प्लेटफॉर्म नागरिकों, विभागों एवं

सेवाओं को एकीकृत डिजिटल इको-सिस्टम में जोड़ते हुए सुशासन को और अधिक प्रभावी तथा परिणामोन्मुख बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

एकीकृत पोर्टल पर सभी सेवाएँ प्रक्रिया हुई सरल- एमपी ई-सेवा पोर्टल पर विभिन्न विभागों की 1700 सेवाओं को एकीकृत कर नागरिकों को बार-बार अलग-अलग पोर्टल पर जाने और दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता समाप्त की गई है। नागरिक अब eseva.mp.gov.in और मोबाइल ऐप के माध्यम से पात्रता जांच, आवेदन, स्टेटस ट्रैकिंग और अनुमोदन जैसी सभी सुविधाएँ एक ही स्थान पर प्राप्त कर सकते हैं। पोर्टल पर आधार आधारित प्रमाणीकरण, ई-साइन और डिजिटल प्रमाणपत्र की व्यवस्था से पूरी प्रक्रिया पेपरलेस और फेसलेस बनाई गई है, जिससे पारदर्शिता और दक्षता दोनों में वृद्धि हुई है।

समग्र पोर्टल से एकीकरण: ऑटो-वेरिफिकेशन की सुविधा- ‘एमपी ई-सेवा’ को समग्र सामाजिक सुख मिशन के समग्र पोर्टल से जोड़ा गया है। प्रत्येक परिवार को 8 अंकीय परिवार आईडी और हर सदस्य को 9 अंकीय सदस्य आईडी दी गई है। इससे ऑटो-वेरिफिकेशन की प्रक्रिया को सक्षम बनाया गया है। इससे पात्रता निर्धारण स्वतः हो जाता है और अनावश्यक देरी व दोहराव समाप्त होता है। पोर्टल की प्रमुख विशेषता ‘ऑटो-फेचिंग डॉक्यूमेंट्स’ है, जिससे नागरिकों को बार-बार दस्तावेज अपलोड करने की आवश्यकता नहीं रहती।

सुगम, सुरक्षित एवं नागरिक केंद्रित ‘ऐप-डिज़ाइन’

एमपी ई-सेवा पोर्टल को मोबाइल-फ्रेंडली डिज़ाइन के साथ विकसित किया गया है। इसमें बहुभाषीय सुविधा के साथ दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विशेष डिज़ाइन किया गया है, जिससे शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के नागरिक आसानी से इसका उपयोग कर सकें। प्लेटफॉर्म पर अब तक 2 लाख 14 हजार से अधिक ट्यूसेक्शन दर्ज किए जा चुके हैं। इनमें 3 हजार 446 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जबकि 1 लाख 64 हजार 600 से अधिक ट्रेक/डउनलोड गतिविधियाँ और 45 हजार 954 समग्र पात्रता जांचें की गई हैं।



यूपी का बांदा एशिया में सबसे गर्म,पारा 45.4 पार पहुंचा

भीषण गर्मी का कहर संकट में गांव और शहर

ओडिशा-छत्तीसगढ़ में कई स्कूल बंद,कुछ का समय बदला

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के लगभग सभी राज्यों में भीषण गर्मी पड़ रही है। उत्तर प्रदेश के बांदा में शुक्रवार को तापमान 45.4 डिग्री दर्ज हुआ, जो इस सीजन में अब तक एशिया में सबसे ज्यादा तापमान है। दिलचस्प बात यह है कि एक हफ्ते पहले, यानी 9-10 अप्रैल को देश के मैदानी इलाकों में सबसे कम 12 डिग्री तापमान भी बांदा में ही दर्ज हुआ था। इधर, आज से अगले 4 दिन मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में लू



चलने की आशंका है। यूपी के 16 जिलों में तापमान 40 डिग्री से ज्यादा रहा, जिससे हीटवेव यानी लू चली। प्रयागराज, वाराणसी समेत 50 शहरों में भीषण गर्मी पड़ रही है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा के कई जिलों में तापमान 43 डिग्री के पार पहुंच गया है। एमपी के 13 जिलों में स्कूलों का टाइम बदला है।

गर्म समय में बाहर निकलने से बचें

इसके अलावा सभी दवाएँ भी स्टॉक में रख ली गई हैं। प्रशासन ने नागरिकों से कहा है कि वे भीषण गर्मी के दौरान सावधानी बरतें और दोपहर के सबसे गर्म समय में बाहर निकलने से बचें। अगर आपको बाहर जाना ही पड़े, तो अपना सिर ढककर और पानी की बोतल साथ रखकर अपनी सुरक्षा करें।

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट फिर बंद करने का कर दिया ऐलान

तेहरान (एजेंसी)। ईरान की केंद्रीय सैन्य कमान ने शनिवार को एक बार फिर से होर्मुज स्ट्रेट बंद करने की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही ईरान और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर से बढ़ता दिख रहा है। सैन्य कमान ने घोषणा की है कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य का सख्त प्रबंधन फिर से शुरू करेगी। इसके साथ ही उसने वाशिंगटन के साथ बातचीत के तहत इस रणनीतिक मार्ग को खोलने के अपने पहले के फैसले को पलट दिया है। ईरान की सकाराई टेलीविजन पर जारी एक बयान में मुख्यालय ने



कहा कि वाशिंगटन ने ईरान के बंदरगाहों से आने-जाने वाले जहाजों की नौसैनिक नाकेबंदी जारी रखकर अपना वादा तोड़ दिया है। सैन्य कमान के बयान में कहा गया है कि जब तक अमेरिका, ईरान आने वाले सभी जहाजों के लिए आवाजाही की स्वतंत्रता बहाल नहीं कर देता तब तक होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति सख्त नियंत्रण में रहेगी। यानि ईरान ने साफ कर दिया है जब तक अमेरिका होर्मुज के ब्लॉकड को हटाने नहीं है तब तक ईरान होर्मुज को बंद रखेगा।

सीटें बढ़ाना सत्ता में बने रहने की थी साजिश

प्रियंका गांधी बोली-खुश हूँ कि विपक्ष ने विरोध किया, कहा-हमें महिला विरोधी कहकर मसीहा नहीं बन सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने शनिवार को कहा, ‘कल लोकसभा में जो हुआ वो लोकतंत्र की बहुत बड़ी जीत है। सरकार परिसीमन और महिला आरक्षण के जरिए सत्ता में बने रहने की साजिश कर रही थी।’ उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश हूँ कि लोकसभा में सीटें बढ़ाने के लिए लाया गया बिल गिर गया। सत्ता पक्ष हमें महिला विरोधी कहकर मसीहा नहीं बन सकता। शुक्रवार को लोकसभा में सरकार संविधान का 131वां संशोधन बिल लाई थी। सरकार इसे पास नहीं करा पाई। यह 54 वोट से गिर गया। इसके जरिए संसद की 543 सीटें बढ़कर 850 करने का प्रावधान था।



विपक्ष को महिला विरोधी बताकर मसीहा बनना चाहते थे

प्रियंका ने कहा- मेरे ख्याल से पूरी साजिश जो रची गई वह इसलिए कि हमें सत्ता में रहना है। वह अभी नहीं किया जाएगा परिसीमन 2029 तक नहीं हो पाएगा। वह महिलाओं के नाम पर किया जा रहा था। ताकि हमें स्वतंत्रता मिल जाए सत्ता में बने रहने की। उन्होंने सोचा पारित हो जाएगा तो जीत नहीं होता तो हम हर नेता को महिला विरोधी साबित करके महिलाओं के लिए मसीहा बन जाएंगे। महिलाएं देख रही हैं। उत्राव हाथरस, मणिपुर में देखा.. आप संसद में खड़े होकर कह रहे हैं कि आप उनके मसीहा बनना चाहते हैं।

मीडियाबाजी और पीआर अब नहीं चल पाएगा

प्रियंका ने कहा- आज की महिलाओं की समस्याएं बढ़ रही हैं, संघर्ष बढ़ रहा है। बेवकूफ नहीं हैं महिलाएं। वो सब कुछ देख रही हैं। मीडियाबाजी, पीआर.. अब नहीं चलेगी। कुछ टोस कर रहे हैं तो आप 2023 में जो सर्व सहमति से जो विधेयक पारित हुआ था, उसे लाइए। उसमें अगर कुछ एकाध संशोधन करना है तो करिए उसे अभी लागू करिए। महिलाओं को हक दीजिए। लेकिन उसको आप घुमाकर दूसरी चीजों से जोड़कर गुमराह करने की कोशिश मत कीजिए। हम सब तैयार हैं।

यमुना एक्सप्रेसवे पर ‘नया हाथरस’ शहर बसाने की तैयारी

अगले नौ महीने के भीतर मास्टर प्लान का ड्रॉपट होगा तैयार

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)। यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे 4000 हेक्टेयर जमीन पर हाथरस अर्बन सेंटर यानी नया हाथरस शहर बसाने की कवायद शुरू हो चुकी है। स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने वाली इस योजना के लिए कंपनी चुन ली गई है, जो 9 माह में मास्टर प्लान तैयार करेगी। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया कि नया हाथरस के मास्टर प्लान तैयार करने को तेलंगाना की आरवी इंजीनियरिंग कंसल्टेंट लिमिटेड का चयन किया गया था।



संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र के सभी स्कूलों में मराठी पढ़ाना अनिवार्य

● नियम का उल्लंघन करने पर 1 लाख तक का जुर्माना, मान्यता भी हो सकती रद्द

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के स्कूली शिक्षा विभाग ने शुक्रवार को राज्य के सभी स्कूलों में मराठी पढ़ाना जरूरी करने के लिए एक नया सरकारी प्रस्ताव जारी किया। इसमें बार-बार नियम तोड़ने पर 1 लाख रुपये तक का जुर्माना और मान्यता रद्द होने की चेतावनी दी गई है। यह निर्देश महाराष्ट्र के सभी स्कूलों में मराठी भाषा की जरूरी टीचिंग



और लर्निंग एक्ट, 2020 के तहत, सभी संस्थानों पर लागू होता है, चाहे उनका बोर्ड, मीडियम या मैनेजमेंट कुछ भी हो। आदेश के अनुसार हर स्कूल में कबिले मराठी टीचरों की नियुक्ति भी जरूरी की गई है। एक मल्टी-टियर लागू करने के तरीके के तहत, शिक्षा के डिजिटल डिप्टी डायरेक्टर को नियम का पालन पक्का करने के लिए सक्षम अधिकारी बनाया गया है। नया एकेडमिक साल शुरू होने के दो महीने के अंदर स्कूलों का इंस्पेक्शन किया जाएगा। नियम तोड़ने वाले संस्थानों को नोटिस जारी किया जाएगा और जवाब देने के लिए 15 दिन का समय दिया जाएगा।

तमिलनाडु में भीषण सड़क हादसा, 9 लोगों की मौत

● ट्रेलर सड़क से उतरकर खाई में जाकर गिरी, पांच घायल

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के वलपारई में शुक्रवार को सड़क हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा तब हुआ, जब ट्रेमो ट्रेलर अनियंत्रित होकर हेयरपिन मोड़ से फिसलकर खाई में गिर गया। पुलिस के मुताबिक, गाड़ी केरलम के पेरिथलमना से आए 13 पर्यटकों को लेकर वलपारई से लौट रहा था। 13वें हेयरपिन



मोड़ पर संतुलन बिगड़ा और वाहन फिसलकर 9वें हेयरपिन मोड़ तक गिर गया हादसे में 1 पुरुष और 8 महिलाओं की मौत पर ही मौत हो गई। घायलों को रेस्क्यू कर एंबुलेंस से पोलाची के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जब किसी ऊंचे पहाड़ पर चढ़ना होता है, तो सीधी सड़क बनाना मुमकिन नहीं होता। इसलिए, ऊंचाई पर धीरे-धीरे चढ़ने के लिए सड़क को सांप की तरह घुमावदार बनाया जाता है। जहां सड़क एकदम से मुड़कर वापस उसी दिशा के समानांतर हो जाती है, उसे ही हेयरपिन मोड़ कहते हैं।

राहुल पर एफआईआर का अपना आदेश हाईकोर्ट जज ने बदला

● बिना नोटिस केस दर्ज करना सही नहीं माना; याचिकाकर्ता बोला-सीजेआई से शिकायत करेंगे

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने सांसद राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का अपना ही आदेश बदल दिया है। मामला दोहरी नागरिकता से जुड़ा है। कोर्ट ने शनिवार को अपनी वेबसाइट पर नया आदेश जारी किया। कोर्ट ने बताया कि शुक्रवार (17 अप्रैल) को सुनवाई हुई थी। इसमें याचिकाकर्ता समेत केंद्र और राज्य सरकार के वकीलों से पूछा गया था कि क्या राहुल गांधी को नोटिस जारी करने की जरूरत है। वकीलों ने नोटिस जारी करने की कोई जरूरत नहीं बताई थी। इसके बाद एफआईआर दर्ज करने का आदेश पारित कर दिया गया था। हालांकि, आदेश टाइटल होने से पहले न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने फिर से फैसले को परखा।

भारतीय सांस्कृतिक एकता का परिचय- जगदगुरु आदि श्री शंकराचार्य जी हैं

भोपाल। मातृभाषा मंच के द्वारा आदि शंकराचार्य पर केंद्रित प्रबोधन कार्यक्रम श्री नारायण गुरु मंदिर, सुभाष नगर में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मातृभाषा मंच के अध्यक्ष श्री संतोष कुमार राउत एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग संचालक सोमकांत उमालकर विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अद्वैत वेदांत के मर्मज्ञ उमाशंकर पंचोरी थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में मातृभाषा मंच के संयोजक अमिताभ सक्सेना ने मातृभाषा मंच का परिचय देते हुए कहा कि विगत 8 वर्षों से मातृभाषा मंच भोपाल नगर के विभिन्न भाषायी परिवारों में मातृभाषा की स्वीकार्यता को बढ़ाने में प्रयासरत हैं। सक्सेना ने कार्यक्रम का उद्देश्य बताते हुए कहा कि आदि शंकराचार्य जी की जयंती हमें एक अवसर देती है कि हम उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व का स्मरण करें।

मुख्य वक्ता के रूप में उमाशंकर पंचोरी ने अपने ओजस्वी वक्तव्य में आदि शंकराचार्य की स्मरण करते हुए कहा कि; आदि शंकराचार्य ने 'अहं ब्रह्मास्मि' का सूत्र दिया। 'अहं

58 कमांडों का घेरा, जेड+ सुरक्षा और आलीशान बंगला

दिल्ली में नीतिश कुमार के शाही ठिकाने के सियासी मायने



और आलीशान बंगला उनके लिए काफी हैं। लेकिन राजनीति के सियासी प्रभाव की कहानी कहने के लिए काफी हैं। लेकिन राजनीति के सियासी प्रभाव की कहानी कहने के लिए काफी हैं। लेकिन राजनीति के सियासी प्रभाव की कहानी कहने के लिए काफी हैं।

हैं। सबसे पहले सुरक्षा की बात करें, तो वो इतनी कड़ी होगी कि परिंदों भी पर नहीं मार पाएगा। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक येलो बुक और ब्लू बुक के कड़े नियमों के मुताबिक नीतिश कुमार के चारों तरफ 58 कमांडों का घेरा होगा। उसके अलावा जेड प्लस सिक्वोरिटी ऐसी होगी, जिसे पार करना किसी के लिए कठिन होगा। इसके अलावा उनके आवास के आस-पास 10 सशस्त्र स्थायी गार्ड तैनात होंगे। उसके अलावा 6 पीएसओ चौबीसों घंटे उनके साथे की तरह साथ रहेंगे। उनके साथ 24 जवान दो एस्कॉर्ट गार्डियों में ड्यूटी के लिए तैनात रहेंगे।

कमांडों का रहेगा घेरा, सुरक्षा बल हर समय रहेंगे तैनात

जानकारी के मुताबिक सुरक्षा के बड़े तामझाम की निगरानी के लिए एक वरिष्ठ पुलिसकर्मी को इंचार्ज बनाया गया है। आवास पर आने-जाने वाले की जांच के लिए 6 कर्मचारियों की तैनाती की गई है। उसके अलावा 5 वॉचर्स दो अलग-अलग शिफ्टों में सभी गतिविधि पर पैनी नजर रखेंगे। उसके अलावा उनके वाहनों के लिए 6 प्रशिक्षित ड्राइवर 24 घंटे ड्यूटी पर तैनात रहेंगे। कुल मिलाकर दिल्ली में नीतिश कुमार के रहने और कहीं आने जाने के लिए सुरक्षा के बेहतरीन इंतजाम किए गए हैं। बताया जा रहा है कि नीतिश कुमार की सुरक्षा और उनके आलीशान बंगले को देखते हुए उनकी सियासी अहमियत को समझा जा सकता है। जानकार मानते हैं कि नीतिश कुमार दिल्ली में बैठे-बैठे बिहार पर भी नजर रखेंगे। जेडीयू सरकार में हिस्सेदार है। विकास योजनाओं के साथ बिहार के मुख्यमंत्री के काम काज पर भी उनकी नजरें रहेंगी।

डाटा संकलन, फील्ड की चुनौतियां, समाधान का प्रारूप था जनगणना का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न



सोहागपुर। जनगणना कार्य के सफल एवं प्रभावी संचालन में डाटा संकलन फील्ड की चुनौतियां समाधान के प्रारूप के प्रथम बैच का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सेंट पैट्रिक स्कूल परिसर में आयोजित कार्यक्रम तहसीलदार एवं चार्ज जनगणना अधिकारी रामकिशोर झड़बड़े के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर तहसीलदार आर एस झरबड़े ने बताया कि इस जनगणना प्रशिक्षण का तीन दिवसीय

राहुल तिवारी, विपिन गिह्ला एवं विजेंद्र वर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर जनगणना में आने वाली समस्याओं पर सारगर्भित उद्घोषण देकर प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। इसके अलावा जनगणना टीम के अमितकुमार मिश्रा, संदीप कुशवाहा, उमेश रघुवंशी एवं अविनाश डोंगर ने उल्लेखनीय सहयोग दिया। इसी क्रम में प्रशिक्षण के अवसर पर प्रतिभागियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से फील्ड विजिट भी कराई गई। जिससे उनके वास्तविक परिस्थितियों में जनगणना करने की विकसित समझ हो सके। इसी अवसर पर तहसीलदार आर एस झरबड़े ने सभी प्रतिभागियों को सेवा भाव प्रतिज्ञा की शपथ दिलाई। जिसमें प्रत्येक नागरिक की जानकारी को गोपनीय रखने, जनगणना कार्य को ईमानदारी, निष्ठा एवं पूर्ण जिम्मेदारी के साथ संपन्न करने का संकल्प लिया गया। प्रशासन ने आशा व्यक्त की है कि प्रशिक्षित कर्मिक जनगणना कार्य को पूरी जिम्मेदारी एवं निष्ठा के साथ संपन्न कराएंगे।

एक बार फिर राज्य मार्ग रानी पिपरिया के मोड़ पर भतीजी की लगुन ले जाते समय ट्रक की टक्कर से मौत

सोहागपुर। सोहागपुर विधानसभा के मुख्यालय के आसपास बने राज्य मार्ग पिपरिया नर्मदापुरम के रास्ते लांगबन्हेरी, कानपुर, रानी पिपरिया आदि में बने ब्लैक स्पॉट को तत्कालीन कलेक्टर सोनिया मीना ने लोक निर्माण विभाग को प्राथमिकता के रूप में हटाकर नागरिकों को राहत देने के निर्देश दिए थे। लेकिन लोक निर्माण विभाग के जिले में अधिकारियों ने उसे धरातल पर नहीं उतारा। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि जिला मुख्यालय पर कैसे कैसे अधिकारी कुर्सियों पर विराजमान हैं। क्योंकि वरिष्ठ अधिकारी तो चाहते हैं कि जनता-जनार्दन को राहत मिले। अब देखा जाएगा कि नवांगतुक कलेक्टर सोमेश मिश्रा नर्मदापुरम पिपरिया मार्ग के बिलेक स्पॉटों को हटाने के कारण कदम उठाएंगे। उल्लेखनीय है सोहागपुर के समीपवर्ती ग्राम लांगबन्हेरी के 90 कोण के अंधे मोड़ पर अक्सर दुर्घटनाएं होती रही हैं। वहीं करीबन 15 बसें साल पूर्व एक बस दुर्घटनाग्रत हुई थी। जिसमें करीबन बीस बस यात्री काल कवलित हो गए थे। इस समय जनप्रतिनिधियों ने जनता को आश्वासन दिया कि शीघ्र ही इस अंधे मोड़ को ठीक करा दिया जाएगा। लेकिन जनता-जनार्दन इस रास्ते के मोड़ को ठीक कराने की राह देख रही है। हाल की घटना में सोहागपुर पुलिस थाने में सूचनाकर्ता राजकुमार पिता रमेश कीर निवासी तमचरु थाना माखननगर ने इस आशय की सूचना दी कि वह क्षेत्रीय बैंक की गाड़ी चलता है।

पुणे में एयरफोर्स के विमान की हार्ड लैंडिंग

करीब 11 घंटे बंद रहा रनवे, 91 फ्लाइट्स कैसिल

पुणे (एजेंसी)। पुणे इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शुक्रवार रात भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान की हार्ड लैंडिंग हुई। रात 10.30 बजे हुई इस घटना के बाद रनवे को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। जिसके कारण एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन करीब 11 घंटे तक प्रभावित रहा। पुणे एयरपोर्ट के डायरेक्टर संतोष धोके ने बताया कि आईएफ के विमान को सुबह करीब 5.45 बजे रनवे से हटा दिया गया था। लेकिन नोटम का टाइम बढ़कर सुबह 9 बजे कर दिया गया था। हालांकि फ्लाइट ऑपरेशन सुबह 7.30 बजे के बाद नॉर्मल हो सका। आईएफ ने एक्स पर बताया कि दोनों पायलट सुरक्षित हैं। रनवे की मरम्मत के बाद उसे फ्लाइट्स के लिए फिट घोषित कर दिया गया। दिन भर में ऑपरेशन सामान्य हो जाएगा। एयरपोर्ट डायरेक्टर के मुताबिक रनवे बंद रहने के दौरान 5 एयरलाइंस की 91 फ्लाइट्स कैसिल करनी पड़ी थी। जबकि 12 फ्लाइट्स को डाइवर्ट कर दिया गया। इनमें इंडिगो की 65, एअर इंडिया की 6, स्पाइसजेट की 5, अकासा एयर की 5 फ्लाइट्स शामिल थीं।



बीजेपी आएगी तो बंगाल में लव जिहाद बंद होगा

सीएम योगी ने कहा-ममता दीदी सिंहासन खाली करो

कोलकाता (एजेंसी)। सीएम योगी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल में 2 रैलियों की। पहली रैली में उन्होंने कहा- हम ममता दीदी से कहते आए हैं कि सिंहासन खाली करो, भाजपा आने वाली है। भाजपा की डबल इंजन सरकार आने पर यहां लव जिहाद और लैड जिहाद बंद होगा। टीएमसी पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा- उसके नेता घुमपट्टियों की पैरोकारी करते हैं। सीएम योगी ने कहा-विपक्ष बेटियों को उनका हक नहीं देना चाहता। कल संसद में देश ने सब देखा। जब पीएम मोदी ने बहन-बेटियों के लिए लोकसभा में 33 फीसदी आरक्षण को 2029 से लागू करने संबंधी संशोधन बिल पेश किया, तो कांग्रेस, सपा और वामपंथी दलों ने उसे पास नहीं होने दिया। यह आधी आबादी का अपमान है। उनके हक पर डाका



डालने जैसा है। बहनें इसे कभी स्वीकार नहीं करेंगी। उन्होंने कहा- टीएमसी 'मां, मानुष और माटी' की बात करती थी, लेकिन संसद में सबने देखा कि 'मां' यानी महिलाओं के आरक्षण पर उनका क्या रुख रहा।

पीएम मोदी ने बंगाल के श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों को पूरा किया

योगी ने कहा कि बंगाल की धरती का तेज है... याद कीजिए बकिम चंद चट्टोपध्याय ने वंदेमातरम का मंत्र दिया था। गुरुदेव रविंद्रनाथ ठाकुर ने राष्ट्रगान दिया। गुरु रविंद्र नाथ टैगोर को पहला साहित्य का पुरस्कार मिला। नेताजी सुभाष चंद बोस जैसे स्वतंत्रता सेनानी दिए। खुदीराम बोस इसी बंगाल की धरती की देन है। याद कीजिए- यही बंगाल है, जिसने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को जन्म दिया।

पुलिस ने वाटर केनन चलाई, सांसद-केंद्रीय मंत्री हिरासत में

राहुल के घर तक महिला सांसदों का मार्च, जलाया पुतला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक पारित न होने को लेकर एनडीए नेता देशभर में प्रदर्शन कर रहे हैं। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने महिला कार्यकर्ताओं के साथ राहुल गांधी के घर की ओर मार्च किया। कार्यकर्ताओं ने राहुल का पुतला जलाया। पुलिस ने भीड़ हटाने के लिए वाटर केनन चलाई। केंद्रीय राज्य मंत्री रक्षा खडसे और भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज को हिरासत में लिया गया है। दरअसल सरकार शुक्रवार को लोकसभा में संविधान का 131वां संशोधन बिल लाई थी। सरकार इसे पास नहीं करा पाई। यह 54 वोट से गिर गया। इसके जरिए संसद की 543 सीटें बढ़कर 850 करने का प्रावधान था। भाजपा सांसद



मनोज तिवारी ने कहा- मेरा मन बहुत रो रहा है। कल जब संसद में बिल पास नहीं हो पाया तो आपने पीएम मोदी का चेहरा देखा होगा कि उन्होंने अपने दर्द और आंसुओं को कैसे काबू में रखा। मेरा तो उठने का भी मन नहीं कर रहा था।

आत्मनिवेदन

संदीप राशिनकर



मेरी रेखाओं और उनसे सृजित रेखांकनों के वृद्ध वितान की अनगिनत स्मृतियों को संजोने और उसे लिपिबद्ध करने के मोह का परिणाम है मेरा ये आलेख। हालांकि साहित्यकार, मूर्तिकार और समाज में रचनात्मकता के संवर्धन को समर्पित रचनाकार पिता श्री वसंत और सतत रचनाशील और हस्तकला के विविध क्षेत्रों में दक्ष माताजी शरयु की संतान होने से मुझमें वंशानुगत कला के बीज मौजूद थे और सकारात्मक वातावरण के चलते वे उम्र के साथ परवानचढ़ते रहे। मुझे खुशी है कि मैं रेखांकन विधा में न सिर्फ निरंतर सृजनरत हूँ, वरन इस विधा ने मुझे राष्ट्रीय स्तर पर एक विशेष पहचान और देश विदेश में फैले असंख्य कला रसिकों का स्नेह पात्र बनाया है। मैं नहीं जानता कि रेखांकन विधा को मैं कितना दे पाया किन्तु यह निश्चित है कि रेखांकन विधा ने मुझे जो दिया उसका कर्ज मैं तो आज नहीं कर सकता, मैं जीवनभर अपनी रेखाओं/रेखांकनों का कर्जदार बना रहना चाहता हूँ। बात उन दिनों की है जब मैं खोरे में विक्रम सीमेंट में स्थित इंजीनियर के पद पर कार्यरत होने से विक्रम नगर कॉलोनी में रहता था। हमारी श्रीमतियों के ग्रावा प्रैक्टिस में जाने से घर पर बैठे मैं और मेरे मित्र श्री हौसी चौरों की चर्चा में मेरी चित्रकला रुचि को देखते हुए उन्होंने कहा इस समय का उपयोग तुम चित्र बनाने में क्यों नहीं करते? उनकी इस प्रेरणा से बैठे-बैठे मैंने काली स्याही के पेन से कुछ रेखाओं को लेकर रेखांकन का सृजन किया, और मित्र के प्रोत्साहन से उन दिनों अपनी कल्पनाशीलता और सोच से कुछ रेखांकन बनाये। सन 1989 दिसम्बर में मेरी इंदौर यात्रा में अपने कुल जमा तीन नौसिखिये रेखांकनों के साथ मैं लोकप्रिय समाचार पत्र 'दैनिक भास्कर' के तत्कालीन संपादक आदरणीय डॉ. ओम नागपालजी से कह रहा था कि सर मैंने ये बनाये हैं। इनमें से आपको कोई प्रकाशन योग्य लगे तो रख लें, इस पर तपाक से उन्होंने कहा 'तीनों रख जाओ!' इस सकारात्मक प्रतिक्रिया से मुझे कितनी खुशी मिली यह कहने के लिए मुझे शब्द नहीं मिल रहे। इस घटना ने मुझे इतना प्रोत्साहित किया कि दैनिक भास्कर में उन दिनों छपे मेरे उन तीन रेखांकनों से शुरू हुई मेरी रेखांकन यात्रा देश भर की तमाम सभी प्रतिष्ठित पत्र - पत्रिकाओं में छपे हजारों रेखांकनों के साथ आज भी निरंतर जारी है।

सतत सृजन, साधना और नवाचार की प्रवृत्ति के चलते मुझे खुशी है कि रेखांकन विधा में न सिर्फ मैं अपनी विशिष्ट शैली बनाने में कामयाब रहा वरन मेरे रेखांकनों को देश विदेश के सभी स्तर के लोगों का अभूतपूर्व स्नेह प्राप्त हुआ। सारिका, धर्मयुग, साप्ताहिक हिंदुस्तान, दिनमान, कादम्बिन, नवनीत, मनोरमा, वागर्थ, ज्ञानोदय, हंस, कथादेश, वर्तमान साहित्य, पाखी, संडे आब्जर्वर, कथन, संडे मेल, इंडिया टुडे, साहित्य अमृत, प्रेरणा, सारस्वती सुमन, पाठ, शब्द प्रवाह, समावर्तन, कला समय, वीणा, साक्षात्कार, आकंट, अश्रु, मधुमती, चातायन, पहल, कथाक्रम, समीप, गगनांचल, इन्द्रप्रस्थ भारतीय, समकालीन भारतीय साहित्य, कथेसर, व्यंग्य यात्रा, मिठून सार्याजणी, श्रीसर्वोत्तम, हेमांगी, सबरंग, कथाबिम्ब, संयंदन, सोच विचार, बनिता, उर्दती, जैसी अनगिनत देश भर की पत्रिकाओं और जनसत्ता, नवभारत टाइम्स, हिंदुस्तान, नईदुनिया, दैनिक भास्कर,

राजस्थान पत्रिका, जागरण, लोकमत, चौथा संसार, स्वदेश, लोकमत समाचार, नव हिन्द टाइम्स, फ्री प्रेस, हेराल्ड, सकाळ, गोमंतक, पंचजन्य, तरुण भारत, मराठवाड़ा जैसे असंख्य समाचार पत्रों ने मेरे रेखांकनों को न सिर्फ प्रमुखता से प्रकाशित किया वरन मुझमें निहित कला सामर्थ्य को समृद्ध किया। मैं क्षमाप्रार्थी हूँ उन अनगिनत पत्र - पत्रिकाओं का जिनका स्थानाभाव के चलते मैं यहाँ चाहकर भी उल्लेख नहीं कर पाया जबकि आज रेखांकन विधा में मैं जहाँ हूँ उसमें उन सभी का महत्वपूर्ण योगदान है। मेरी रेखांकन क्षेत्र की तकरीबन तीन दशकों की यात्रा में काफी अनुभवों की बड़ी सी गठरी में से कुछ आपसे साझा करने का मोह संवरण नहीं कर पा रहा हूँ, तो लीजिये कुछ वाक्ये आपके लिए -

स मेरे रेखांकनों पर लिखे एक आलेख का शीर्षक है 'रेखाओं का विस्तार समेटे है संसार!' और सचमुच इस रेखांकन यात्रा में मेरे रेखांकनों ने ऐसे- ऐसे विषयों को समेटा है जो आपको आश्चर्य में डाल सकते हैं! सन 1994 - 95 में औरंगाबाद में हुआ बोंडिंग जैश जिसमें वीडियोकॉम के मालिक श्री धूत सहित अनेकों उद्योगपतियों का विमान दुर्घटना में दुःखद निधन हुआ था। उस घटना पर देवगिरि समाचार के संपादक अनिल सोनी द्वारा मुझे दुर्घटना स्थल पर भेजकर रेखांकन बनवाने का अनुभव काफी हृदय विदारक था। इन रेखांकनों का उपयोग देवगिरि समाचार और तरुण भारत ने विशेष तौर पर प्रकाशित श्रद्धांजलि विशेषांक के लिए किया था। उसी अवधि में लातूर में आये भीषण भूकंप पर केंद्रित विशेषांक में भूकंप केंद्रित रेखांकन भी एक ऐसा ही मार्मिक विषय था।

बारह वर्ष में एक बार उज्जैन में आयोजित होनेवाले सिंहस्थ से संबंधित मेरी अभिनव और चर्चित श्रृंखला का जन्म भी 'नवभारत' के तत्कालीन संपादक प्रमोद शंकर भट्ट के इस सुझाव से हुआ कि देश भर की पत्र पत्रिकाएँ सिंहस्थ के फोटो ही छांपेंगी, मैं चाहता हूँ आप सिंहस्थ को आपके रेखांकनों में अभिव्यक्त करो। मुझे यह बताने में अद्भुत खुशी हो रही है कि भट्ट साहब ने नवभारत के सम्पूर्ण मुख पृष्ठ पर मेरी सक्षिप्त टिप्पणी के साथ मेरी सिंहस्थ श्रृंखला के रेखांकनों को प्रकाशित किया था। सदैव के अंतिम सिंहस्थ को अलविदा कहते हुए भी उन्होंने अंत में मेरे रेखांकनों को प्रकाशित किया

था। साहित्य अमृत के प्रभातजी द्वारा विवेकानंद पर प्रकाशित वृद्ध विशेषांक के लिए मेरी शैली में विवेकानंद के कृतित्व और व्यक्तित्व पर आधारित रेखांकनों की श्रृंखला की अपेक्षा से मेरे द्वारा विवेकानंद पर एक विशिष्ट सृजन हो पाया। प्रभातजी की अपेक्षाओं और प्रेरणा के चलते साहित्य अमृत के अनेकों विविध विषयक विशेषांकों के लिए मेरे अनसोचे विषयों पर मेरी रेखांकन श्रृंखलाएँ सृजित हुई हैं। इसके साथ ही उनके प्रभात प्रकाशन द्वारा नोबेल विजेता कैलाश सत्याश्रीजी की तीन पुस्तकों में मेरे रेखांकनों का प्रकाशन भी मैं मेरा सौभाग्य समझता हूँ। भारत रत्न सत्यजीत राय की जादुई बाल कहानियों के लिए आवरण और रेखांकन बनाना भी एक विरल अनुभव रहा।

वरिष्ठ साहित्यकार और तत्कालीन दिल्ली दूरदर्शन के निदेशक श्री उद्दार्तजी की नेशनल द्वारा प्रकाशित महत्वपूर्ण कृति 'अनाद्यस्तु' के लिए दिल्ली से फोन कर जब अपेक्षा की गई कि मेरी यह कृति सृष्टि निर्माण के पहले ही परिस्थितियों पर है और मुझे लगता है कि इस अलहदा विषय के साथ आपके रेखांकन ही न्याय कर सकते हैं, तो उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए मुझसे एक और अलग विषय पर रेखांकन हुए। इन रेखांकनों को देखते हुए वरिष्ठ लेखक और विचारक अजातशत्रु की यह टिप्पणी मुझे खुशी देती है कि मात्र ये रेखांकन भी कलाक्षेत्र में आपकी सशक्त उपस्थिति सिद्ध

करने के लिए काफी है। दुर्बई के वरिष्ठ कवि स्व. गंगाधर जसवानी ने जब मुझे दुर्बई से उनके दो कविता संग्रहों 'देह दुर्बई दिल देश' और 'कह दिया हमरी अम्मा से के हम मरी गयो' की सभी कविताओं के लिए बाएँ पृष्ठ पर रेखांकन बनाने के लिए कहा तो अनायास ही उनके जन्मस्थान उज्जैन से जुड़ी स्मृतियों और प्रत्यु के बाद की परिस्थितियों पर आधारित अलग विषयों पर बने रेखांकनों से मेरी कला समृद्ध हुई। बाद में राजकमल से प्रकाशित 'देह दुर्बई दिल देश' का विमोचन दिल्ली में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी के हाथों हुआ था। निश्चित ही इतनी लंबी यात्रा में आये अनगिनत अच्छे, प्रेरणास्पद, प्रशंसात्मक अनुभवों के साथ कुछ खड़े अनुभव भी स्वाभाविक हैं। एक ऐसा ही अनुभव याने इस यात्रा के शुरुवाती दौर में कन्हैयालाल नंदन संपादित

प्रतिष्ठित पत्रिका 'संडे मेल' में मेरे दो रेखांकनों को संयोजित कर किसी और के नाम से प्रकाशित किया जाना था। हालांकि रेखांकन प्रकाशन का शुरुआती दौर होने से न सिर्फ मैं इस गलती से बहुत आहत और विचलित हुआ वरन प्रबंधन द्वारा गलती न माने जाने से व्यथित भी हुआ। हालांकि कार्यवाही करने के पत्र के चलते नंदनजी का आश्वासनात्मक पत्र पाकर संतुष्ट हुआ। गोआ के लोकप्रिय समाचार पत्र 'गोमंतक' के संपादक जयंत सभाजी ने एक दिन अनौपचारिक चर्चा में कहा कि गोआ में इन दिनों दो चीजों की अतिवृष्टि हो रही है, एक गोआ की बरसात और दूसरी तुम्हारे चित्र! यह बात उन्होंने इस संदर्भ में कही थी कि मेरे वहाँ मात्र छह महीने की अवधि में रहने के दौरान गोआ मीडिया ने मेरे न सिर्फ तीनसौ रेखांकन प्रकाशित किये थे वरन वहाँ के सारे आखबार मेरे रेखांकनों को प्रमुखता से प्रकाशित कर रहे थे। कला के साथ साथ मेरी साहित्यिक अभिरुचि और अंतर विधायी आवाजही के चलते साहित्य की अधिकांश विधाओं के साथ मुझे न सिर्फ अपने रेखांकन बनाने के असीम अवसर मिले वरन ऐसी दर्जनों किताबें हैं जिनमें हर रचना के साथ बाएँ पृष्ठ पर भी मेरे रेखांकन प्रकाशित हुए हैं।

1994 में मेरी प्रथम गोवा यात्रा में मेरे मित्र सतीश नाईक ने जब किसी अपरिचित से मिलवाया तो वह कहने लगा कि संदीप राशिनकर मैं आपको अच्छी तरह से जानता हूँ। मेरे बार- बार यह कहने पर कि मैं गोवा में पहली बार ही आया हूँ पर भी वह बोलता रहा कि मैं आपको जानता हूँ। इस पर मेरे यह पूछने पर कि भाई यहाँ थाने पर मेरी कोई तस्वीर चर्चा में क्या? वह हँसकर बोला- संदीप राशिनकर आपके जनसत्ता सबरंग में छपे अनगिनत रेखांकन चुराकर मैं अपने अखबार में प्रकाशित करता रहा हूँ। इसलिए मुझे संदीप राशिनकर अच्छे से परिचित है। पर से अठारह सौ किलोमीटर दूर पर कोई अजनबी आपकी कला की बदैलत आपको पहचानता है यह बात ही मुझे असीम खुशी देनेवाली थी।

भारतीय ज्ञानपीठ के बंद पड़े हुए 'ज्ञानोदय' के प्रकाशन को जब 'नया ज्ञानोदय' नाम से फिर शुरू किया गया तो उसके प्रवेशांक के लिए डॉ. प्रभाकर श्रीधर द्वारा स्नेहवश मेरे रेखांकनों को मंगवाना भी मेरी स्मृतियों का एक सुखद हिस्सा है। ऐसे ही बलरामजी के साहित्य अकादमी दिल्ली की पत्रिका 'समकालीन भारतीय साहित्य' के संपादक बनने के बाद उनके द्वारा भी स्नेहवश मुझे रेखांकन मंगवाकर उन्हें एक लंबी अवधि तक निरंतर प्रकाशित करना भी मेरे लिए एक सुखद स्मृति है। मैं स्वयं को इसलिए भी भाग्यशाली मानता हूँ कि देश भर की पत्र-पत्रिकाओं के सभी वरिष्ठ संपादकों का मेरे रेखांकनों पर भरपूर स्नेह रहा। सभी साहित्यकारों से लेकर सभल से के पाठकों ने भी मेरे रेखांकनों को असीम स्नेह दिया और दिल से सराह इसके प्रमाण मुझे देश के सुदूर कोनों से आते हर आयुवर्ग के प्रेम से ओतप्रोत टेलीफोन से मिलते हैं। हालांकि मेरी रचनायात्रा के विविध आयामों और कार्यों की इस लंबी यात्रा में आपसे कहने और साझा करने को बहुत कुछ है पर इस बार बस इतना ही। मेरी रचनात्मकता पर आप सबका स्नेह पूँ ही बना रहे, क्योंकि यही मेरी सृजनशीलता का संबल है।

जय हो...

कोई बात तो करो



कमलेश कुमार दीवान

क्या सोचती आवाम, कोई बात तो करो कैसा हो ये निजाम, कोई बात तो करो।

चलते रहेंगे वाद और प्रतिवाद भी यहां अच्छे हो इंतजाम, कोई बात तो करो।



इस वक्त यूँ ऊँचा हुआ है नाम देश का ये आंकड़ों का काम, कोई बात तो करो।

हासिल हुआ है क्या जंग से फसाद से माहौल क्यों तमाम, कोई बात तो करो।

सब ओर भाई चारा अमन चैन भी रहे सबका ये इम्तिहान, कोई बात तो करो।

पूजा अज्ञान प्रार्थना, सब ही कबूल हो 'दीवान' का पयाम, कोई बात तो करो।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग, 16, अल्फा इंडस्ट्रियल पार्क, जाखिया, इंदौर, म.प्र.-453555 से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बाँबे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोक्लि
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsavere@ gmail.com

'सुबह सवेरे' प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे सम्बन्धित पत्र का सम्बन्ध लेना आवश्यक नहीं है।

पुस्तक समीक्षा

प्रकाश कान्त

समीक्षक



कविता, कहानी, व्यंग्य, यात्रा-संस्मरण हाइकु-गोविन्द सेन के सृजन के कई पक्ष हैं। इसके अलावा एक और महत्वपूर्ण बात यह कि वे हिंदी-निमाड़ी दोनों में सृजनरत हैं। वे पश्चिम मध्य प्रदेश के सुदूर आदिवासी अंचल से सम्बन्ध रखते हैं। इस सबके चलते उनकी जो सृजन-भाषा विकसित हुई है वह इन सबसे निकल कर आई हुई ही है। वे अपेक्षित रूप से थोड़े कम मुखर रचनाकार हैं। उनके यहाँ जैसा कि उनका एक व्यंग्य भी है, कोई डंका नहीं बजता। इसके चलते जो कुछ कहना होता है वह उनकी रचनाएँ कहती हैं। वे अपने को लगभग बाहर या हाशिये पर रखते हैं। अपने व्यंग्य लेखन में भी!

'साहब का बसन्त' के बाद अभी उनका दूसरा व्यंग्य संग्रह आया है, 'गधों का आदमी विमर्श' (न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली) जिसमें पचास से अधिक व्यंग्य आलेख संकलित हैं। ये सब और जैसे कि उनके पहले के अधिकतर आलेख भी रहे हैं, उहाकेंदार हास्य और आक्रामक व्यंग्य के बीच के हैं। ना वे सस्ते लतीफे की हँसी पैदा करते हैं और न गर्दन उतारते मिलते हैं। और ऐसा किसी खास कोशिश के चलते नहीं हुआ है, ना ही व्यंग्य की किसी गम्भीर बहस के कारण ही होता दिखाता है। उनके व्यंग्य लेखन ने

गधों का आदमी विमर्श: व्यंग्य का भिन्न तेवर

अपनी यात्रा के बीच खुद ही अपने लिए यह जगह निकाली है। इसी कारण उनके कुछ व्यंग्य लगभग अंडरटोन चलते हैं। जिनमें ऊपरी तौर पर बहुत ज्यादा खदबदाहट नहीं महसूस होती। अपने बाहरी ढाँचे में बहुत महीन होते हैं। भीतर से चुभन पैदा करते हैं। उनके व्यंग्य सामान्यतया किसी सरदान में मिले ब्रह्मास्त्र की भूमिका में नहीं होते। उन्हें पता होता है की उन्हें अंततः कोई कुरुक्षेत्र नहीं जीतना है। इसीलिए वे अपने लेखन में किसी रथी-महारथी की मुद्रा में नहीं होते। अपने उपलब्ध शस्त्र के साथ अपने हिस्से का अत्यंत सीमित या छोटा महाभारत लड़ने वाले पैदल सैनिक बने रहते हैं। इस दूसरे संग्रह के लेखों में वे ऐसे ही सैनिक की तरह दिखाई देते हैं।

पत्नी, नेता जैसे पिटे-पिटए विषयों



पर आम तौर पर यहाँ व्यंग्य नहीं है। फूहड़ता की हद तक जानेवाली मंचीय हास्य कविता पहले ही ऐसे विषयों का मलीदा बना चुकी है। आजकल वह राष्ट्रवाद, सनातन वगैरह जैसे विषयों का मलीदा बनाने में लगी है।

संग्रह में सड़क हमारे बाप की है, गधों का आदमी विमर्श; भीड़, भगदड़ और मौष; ज्ञान बाटते चलो, रेवड़ी ने अंधा बना दिया, चतुर बिल्ली और चाटुकार चूहे, झोली, झोला और झोल; घोड़े भी कभी गधे थे जैसे महत्वपूर्ण व्यंग्य हैं। जिनमें लहू-लुहान कर देने की हद तक वे सर्जरी नहीं करते। ऑपरेशन टेबल के सामने थोड़ी-सी कोमल मुद्रा में रहते हैं। अतिक्रमण, पुरस्कार-सम्मान, सीकरी, चुनाव, सत्ता की आत्म मुग्धता, जनसेवा, गधा और आदमी, रीढ़, आत्मा, रेवड़ियाँ जैसे कई विषयों पर इनमें व्यंग्य हैं। जिनमें वे ब्यपने व्यंग्य को बेदम करने की हद तक नहीं ले जाते। बारीक-सी पिन की चुभन, महीन-सी चिकोटी तक लाकर छोड़ देते हैं। इसके लिए जिस व्यंग्य बाषा का उपयोग करते हैं उसमें लोकप्रिय फ़िल्मी गीतों के मुखड़े-टुकड़े, लोक में प्रचलित कहावतें-मुहवरे, नेताओं के सूक्तिनुमा आत्मप्रलाप इत्यादि शामिल होते हैं। इनके अलावा नीति कथाओं को भी माध्यम बनाते हैं। संग्रह के आलेखों में इस सब को देखा जा सकता है।

विचार

मेधा राठी



कुछ रिश्ते अपने आरंभ से ही एक अनकहे अधूरेपन को साथ लेकर आते हैं। बाहर से वे सामान्य दिखते हैं—बातचीत होती है, समय बिताना जाता है, उम्मीदें बुनी जाती हैं पर भीतर कहीं एक रिक्त स्थान बना रहता है। हम अक्सर यह मान लेते हैं कि समय, स्नेह और प्रयास इस खालीपन को भर देंगे। हमें विश्वास होता है कि धीरे-धीरे यह रिश्ता भी उन रिश्तों की तरह पूर्ण हो जाएगा, जिनमें सहजता, भरोसा और संतुलन होता है परंतु वास्तविकता अक्सर इससे भिन्न होती है। ऐसे रिश्तों की प्रकृति ही अधूरी होती है, वे आते हैं, कुछ समय साथ चलते हैं और फिर उसी अधूरेपन को और गहरा करके चले जाते हैं।

मनुष्य का स्वभाव आशा पर टिका होता है। जब किसी रिश्ते में कमी महसूस होती है तो मन तुरंत उसे पूरा करने की दिशा में प्रयास करने लगता है। हम अपने व्यवहार को और मधुर बनाते हैं, अधिक समय देते हैं, अधिक समझदारी दिखाने की कोशिश करते हैं। हर असफल प्रयास के बाद भी यह विश्वास बना रहता है कि

अगली बार शायद सब ठीक हो जाएगा। यह 'शायद' ही हमें बार-बार उसी चक्र में खींच लाता है। लेकिन एक समय ऐसा आता है जब यह आशा ही एक भ्रम प्रतीत होने लगती है—एक ऐसा भ्रम, जो हमें थकाता है, परंतु टूटने में समय लेता है।

इन अधूरे रिश्तों को समझने के लिए एक सरल उदाहरण पर्याप्त है—फूटी हुई मटकी। हम उसमें बार-बार पानी भरते हैं, यह सोचकर कि इस बार वह भर जाएगी। कुछ क्षणों के लिए ऐसा लगता भी है कि मटकी भर गई है परंतु धीरे-धीरे पानी रिसकर समाप्त हो जाता है। यही प्रक्रिया रिश्तों में भी घटित होती है। हम अपने स्नेह, समय, समर्पण और ऊर्जा को उसमें डेँडलते हैं, परंतु वह स्थायी नहीं रह पाता। अंततः हमारे हाथ खाली ही रह जाते हैं।

विडंबना यह है कि हम इस सच्चाई को कहीं न कहीं जानते भी हैं। हमें आभास होता है कि यह रिश्ता लंबे समय तक स्थिर नहीं रह पाएगा फिर भी हम अपनी पूरी शक्ति लगा देते हैं उसे बचाए रखने में। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। कभी अधूरेपन का आकर्षण हमें बांधे रखता है—जो पूरा नहीं है, वही अधिक समय देते हैं, अधिक समझदारी दिखाने की कोशिश करते हैं। हर असफल प्रयास के बाद भी यह विश्वास बना रहता है कि

के लिए रची होती है। और कभी-कभी हम अपने ही समर्पण के कारण बंध जाते हैं—'इतना कुछ दे देने के बाद लौट आना कठिन लगता है।

जब ऐसे रिश्ते अंततः समाप्त होते हैं तो उनका जाना अचानक नहीं होता। वे धीरे-धीरे हमारे भीतर एक कड़वाहट, एक थकान और एक स्वीकृति पैदा करते हैं। ऐसा लगता है जैसे हर दिन एक छोटी-सी पीड़ा हमें उस अंतिम क्षण के लिए तैयार कर रही हो। और जब विदाई का समय आता है तो बाहर से भले ही हम शांत दिखाई दें, भीतर कहीं एक गहरी कसक बनी रहती है। अधूरे ख्वाब, अधूरी बातें, टूटे हुए वादे—ये सब स्मृतियों में स्थायी रूप से बस जाते हैं।

परंतु प्रश्न यह उठता है कि ऐसे रिश्तों का हमारे जीवन में औचित्य क्या है। यदि वे केवल पीड़ा और खालीपन ही देते हैं, तो उनका होना क्यों आवश्यक है? इसका उत्तर सरल नहीं है, परंतु गहरा अवश्य है। ये रिश्ते केवल हमें किसी दूसरे व्यक्ति से नहीं बल्कि स्वयं से भी मिलवाते हैं।

जब हम किसी अधूरे रिश्ते से गुजरते हैं तो वह यात्रा केवल बाहरी नहीं होती। उसे वह हमारे मन और मस्तिष्क के भीतर भी चलती है। जब ये दोनों एक होकर सोचने लगते हैं तब हम अपने व्यवहार पर विचार करते हैं, अपनी अपेक्षाओं को

परखते हैं, अपनी सीमाओं और कमजोरियों को पहचानते हैं। यह आत्ममंथन धीरे-धीरे हमें उस बिंदु तक ले जाता है जहाँ हम स्वयं से साक्षात्कार करते हैं।

दूसरों से मिलना और स्वयं से मिलना—इन दोनों में मौलिक अंतर है। बाहरी मुलाकातें हमें सामाजिक बनाती हैं, संबंधों का विस्तार करती हैं परंतु स्वयं से की गई ईमानदार मुलाकात हमें भीतर से मजबूत करती है। यह हमें हमारी वास्तविकता से परिचित कराती है—हम कौन हैं, क्या चाहते हैं और किन बातों पर समझौता नहीं कर सकते।

स्वयं को पहचानना एक लंबी प्रक्रिया है और अक्सर यह प्रक्रिया किसी टूटन या अधूरेपन से ही शुरू होती है। जब कोई रिश्ता हमें पूरा नहीं कर पाता तब हम पहली बार यह प्रश्न पूछते हैं कि 'मुझे वास्तव में क्या चाहिए?' यही प्रश्न आत्म-खोज की दिशा में पहला कदम होता है।

जब व्यक्ति स्वयं के गुणों और दोषों को समझने लगता है, तो वह बाहरी सखारों पर कम निर्भर होने लगता है। उसे वह हमारे मन और मस्तिष्क के भीतर भी किसी एक व्यक्ति या रिश्ते पर निर्भर नहीं है। वह अपने भीतर ही संतुलन और संतोष के स्रोत खोजने लगता है। यह

आंतरिक मजबूती ही उसे जीवन की अन्य चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाती है।

एक बार जब यह आंतरिक स्थिरता विकसित हो जाती है तब अधूरे रिश्तों का आकर्षण भी कम हो जाता है। व्यक्ति समझने लगता है कि हर संबंध को निभाना आवश्यक नहीं है और हर संबंध का पूर्ण होना भी संभव नहीं है। कुछ रिश्ते केवल अनुभव देने के लिए आते हैं न कि स्थायी बनने के लिए।

इस दृष्टि से देखा जाए तो अधूरे रिश्ते भी व्यर्थ नहीं होते। वे हमें तोड़ते जरूर हैं परंतु उसी प्रक्रिया में हमें गढ़ते भी हैं। वे हमें यह सिखाते हैं कि समर्पण और आत्म-सम्मान के बीच संतुलन कैसे बनाए रखा जाए। वे हमें यह समझाते हैं कि प्रेम केवल देने का नाम नहीं है, बल्कि स्वयं को सुरक्षित रखने की भी एक कला है।

अंततः, इन रिश्तों का एकमात्र और सबसे सुंदर सत्य यही है कि वे हमें स्वयं से मिलवाते हैं। वे हमारे भीतर छिपी उस शक्ति को उजागर करते हैं जिसे हम अक्सर अनदेखा कर देते हैं। जब हम स्वयं को पहचान लेते हैं तब जीवन का हर अधूरापन भी एक नई समझ, एक नई दिशा और एक नए अर्थ के साथ भरने लगता है।

भाजपा सरकार बनने पर जनकल्याण के कार्य तेज होंगे : डॉ.मोहन यादव



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के कोलकाता नार्थ सबअर्बन जिले के कमरहाटी एवं मेदनीपुर जिले के खड़गपुर सदर विधानसभा में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में घर-घर संपर्क एवं रोड शो कर जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल की प्रगति और बांग्लादेशी घुसपैठ पर रोक के लिए भाजपा जल्दी है। पश्चिम बंगाल की जनता तुणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के जंगलराज से मुक्ति चाहती है। पश्चिम बंगाल की प्रगति के लिए भाजपा को चुनना जरूरी है। बंगाल में भाजपा की सरकार बनने के बाद जनकल्याण के कार्य तेज होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पश्चिम बंगाल देश के साथ कदम से कदम मिलाकर चलेगा तो विकास की राह पर बहुत आगे बढ़ेगा। पश्चिम बंगाल कभी देश का सबसे अच्छा राज्य था, परंतु पहले कम्युनिस्ट पार्टी और बाद में तुणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सरकारों ने बंगाल का पूरा बड़ा गर्क कर दिया।

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में कल्याणकारी कार्यों को तेज गति से बढ़ाया जाएगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कमरहाटी एवं खड़गपुर सदर की गलियों में घूमकर जनता से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करने की अपील की। उन्होंने स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनीं और भरोसा दिलाया कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने पर प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में जनकल्याण के कार्यों को तेज गति से आगे बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पश्चिम बंगाल देश के साथ कदम से कदम मिलाकर चलेगा तो विकास की राह पर बहुत आगे बढ़ेगा। पश्चिम बंगाल कभी देश का सबसे अच्छा राज्य था, परंतु पहले कम्युनिस्ट पार्टी और बाद में तुणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सरकारों ने बंगाल का पूरा बड़ा गर्क कर दिया।

बांग्लादेशी घुसपैठियों को रोकने के लिए एसआईआर जरूरी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में मध्य प्रदेश सहित भाजपा व एनडीए शासित राज्य तेजी से प्रगति कर रहे हैं, वहीं पश्चिम बंगाल पिछड़ रहा है। अब बंगाल की जनता जंगलराज से मुक्ति चाहती है और विकसित प्रदेश बनाकर अन्य प्रदेशों से आगे निकलना चाहती है। सभी राज्यों में चुनाव आयोग के निर्देश पर एसआईआर कराया गया है। इस प्रक्रिया में सही मतदाताओं की पहचान की गई।

भोपाल के पास है झिरी; यहीं से 26 अप्रैल से शुरुआत

बेतवा के उद्गम स्थल को जीवित करने चलेगा अभियान

भोपाल (नप्र)। भोपाल के पास झिरी गांव स्थित बेतवा नदी के उद्गम स्थल को पुनर्जीवित करने के लिए 26 अप्रैल से 2 मई 2026 तक एक सप्ताह का श्रमदान अभियान शुरू होगा। इस अभियान में मध्य प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से सामाजिक कार्यकर्ता, पर्यावरण कार्यकर्ता और स्थानीय ग्रामीण भाग लेंगे।

आयोजकों के अनुसार, पिछले वर्ष गर्मी के मौसम में बेतवा का उद्गम स्थल पूरी तरह सूख गया था। इसके बाद मई 2026 में एक सप्ताह का श्रमदान शिविर आयोजित किया गया था, जिसमें 55 चेक डैम बनाए गए थे। इन संरचनाओं के दौरान चेक डैम निर्माण, जल प्रवाह मापों की सफाई और अन्य संरचनात्मक कार्य किए जाएंगे। इस प्रयास में मंत्र-छत्तीसगढ़ के पूर्व आयकर



का निर्णय लिया है। इस बार लक्ष्य उद्गम स्थल को पूरी तरह पुनर्जीवित करना और जल संरक्षण के स्थायी उपाय विकसित करना है। अभियान के दौरान चेक डैम निर्माण, जल प्रवाह मापों की सफाई और अन्य संरचनात्मक कार्य किए जाएंगे। इस प्रयास में मंत्र-छत्तीसगढ़ के पूर्व आयकर

आयुक्त आरके पालीवाल, राज्यसभा टीवी के पूर्व सीईओ व वरिष्ठ पत्रकार राजेश बादल, कार्टूनिस्ट आबिद सूरती, वरिष्ठ पत्रकार अभिलाषा खांडेकर व पद्मश्री बाबूलाल दाहिया समेत कई सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी, डॉक्टर और अन्य सामाजिक कार्यकर्ता शामिल रहे होंगे।

आयोजकों ने बताया कि यह पहल सामुदायिक सहभागिता पर आधारित है और इसमें किसी भी इच्छुक व्यक्ति को शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। उनका कहना है कि स्थानीय स्तर पर किए गए ऐसे प्रयासों से नदियों के संरक्षण में ठोस परिणाम मिल सकते हैं। बेतवा नदी मध्य भारत की प्रमुख नदियों में से एक है, जो मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बड़े हिस्से को प्रभावित करती है। ऐसे में इसके उद्गम स्थल का संरक्षण जल संकट और पर्यावरणीय संतुलन के लिए महत्वपूर्ण मुद्दा माना जा रहा है।

खजुराहो में पारा 43.2 डिग्री, भोपाल-इंदौर से गर्म जबलपुर प्रदेश के 9 शहरों में 42 डिग्री से ज्यादा; 16 जिलों में आज लू का अलर्ट

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में भोषण गर्मी का दौर शुरू हो गया है। शुक्रवार को सीजन में पहली बार टेम्परेचर 43.2 डिग्री पहुंचा। यह छतरपुर के खजुराहो में दर्ज किया गया। वहीं, 9 शहरों में पारा 42 डिग्री से ज्यादा रहा।

मौसम केंद्र भोपाल ने शनिवार को 16 जिलों में हीट वेव यानी, लू की चेतावनी जारी की है। भोपाल में शनिवार से ही स्कूल नए समय तक लगेगे। मौसम विभाग ने आज जिन जिलों में लू का अलर्ट जारी किया, उनमें अलीराजपुर, झाबुआ, रतलमा, धार, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांडुवा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर और पन्ना शामिल हैं।

भोषण गर्मी की वजह से सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के बच्चों के सामने मुश्किलें बढ़ गई थीं। तेज धूप के बीच वे घर लौट रहे थे। ऐसे में उनकी



सेहत विगड़ने का डर भी था। कलेक्टरों ने स्कूलों का समय बदल दिया। राजधानी भोपाल में स्कूल सुबह 7.30 से दोपहर 12 बजे तक ही संचालित होंगे। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने यह आदेश जारी किए। वहीं, नर्मदापुरम, ग्वालियर, बालाघाट, मैहर, रतलमा, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, रायसेन, डिंडोरी, अनूपपुर और उमरिया में भी नई टाइमिंग तक ही स्कूल लगेगे।

भोपाल कलेक्टर का आदेश, दोपहर 12 बजे तक चलेंगे नर्सरी से 12वीं तक के सभी स्कूल- मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में सूरज की तपिश और लू के बढ़ते प्रकोप ने आम जनजीवन को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए भोपाल जिला कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने शुक्रवार को स्कूलों के समय में संशोधन का कड़ा आदेश जारी किया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। कलेक्टर द्वारा जारी निर्देश के अनुसार, भोपाल जिले के सभी स्कूल, चाहे वे नर्सरी हों या कक्षा 12वीं तक। अब केवल सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक ही संचालित हो सकेंगे। यह नियम जिले के सभी शासकीय, निजी, एमपी बोर्ड, सीबीएसई, आईसीएसई और अन्य सभी मान्यता प्राप्त संस्थानों पर समान रूप से लागू होगा।

सीहोर में बेटे ने की पिता की पीट-पीटकर हत्या

रोते हुए बोली मां- बेटा लंबे समय से कर रहा था परेशान, अब मार डाला

सीहोर (नप्र)। सीहोर के गंज क्षेत्र के कोली मोहल्ले में शुक्रवार रात बेटे ने पिता की पीट-पीटकर हत्या कर दी। सूचना पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है।

पिता-पुत्र के विवाद ने लिया खतरनाक रूप- कोली मोहल्ले में गंज निवासी सोनू शाक्य का अपने पिता सुभाष शाक्य से किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। यह विवाद इतना बढ़ गया

कि सोनू शाक्य ने अपने पिता पर हमला कर दिया और उनकी जमकर पिटाई की। इस हमले में सुभाष गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें परिजन और आसपास के लोगों की मदद से तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद परिवार में मातम छा गया।

पुलिस ने आरोपी बेटे को किया गिरफ्तार- घटना की जानकारी मिलते

ही पुलिस मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी बेटे सोनू शाक्य को हिरासत में ले लिया। फिलहाल आरोपी से थाने में पूछताछ की जा रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि विवाद किस कारण से शुरू हुआ था। पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है और आसपास के लोगों के बयान भी लिए जा रहे हैं, ताकि सच्चाई सामने आ सके।

गुना में निहाल देवी मंदिर जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी

ट्रॉली में बैठे थे 25 लोग, पांच घायल; मन्नत पूरी होने पर दर्शन करने जा रहे थे



गुना (नप्र)। गुना के सिरसी इलाके में शनिवार को दोपहर 12 बजे निहाल देवी मंदिर जा रही श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसा पुलती घाटी के पास अंधे मोड़ पर हुआ, जब सामने से आ रही बाइक को बचाने के प्रयास में चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए। इसी दौरान ट्रॉली संतुलन खो बैठी और पलट गई। ट्रैक्टर-ट्रॉली में 25 से ज्यादा लोग सवार थे, जो निभयगढ़ गांव से निहाल देवी मंदिर पूजा और भंडारे के लिए जा रहे थे। बताया गया कि एक परिवार ने मन्नत मांगी थी, जिसके पूरा होने पर सभी लोग पूजा-अर्चना के लिए रवाना हुए थे।

हादसे के बाद मौके पर मची चीख-पुकार- ट्रॉली पलटने ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोग घायलों की मदद के लिए दौड़ पड़े।

हादसे में एक ही परिवार के शिव्युकर बाई (40), ज्योति बाई (24), रहलु (23), कविता (8) और भूरी (5) घायल हो गए। सभी घायलों को पुलिस की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

पुलिस ने शुरु की जांच, कारण अंधा मोड़ बताया गया- सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार

हादसा अंधे मोड़ पर बाइक बचाने के प्रयास में हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राजगढ़-कुशी मार्ग पर यात्री बस पलटी, 14 यात्री घायल

राजगढ़-कुशी मार्ग पर शनिवार सुबह करीब 9-30 बजे एक निजी यात्री बस (भगवती) पलट गई। आंबासोटी घाट के पास हुए इस हादसे में 14 से अधिक यात्री घायल हो गए, जबकि एक युवक संजय के दोनों पैर बस के नीचे दब गए। युवक की पत्नी गले लगा बिलखती रही। यह बस राजगढ़ से टांडा बाग होते हुए मनावर की ओर जा रही थी। रिंगनौद के आगे टांडा घाट शुरू होते ही बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। बस चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर रिंगनौद चौकी पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को निकालने और अस्पताल पहुंचाने का काम शुरू किया।

पत्नी को भी आई चोट- टांडा अस्पताल के डॉ. यतेंद्र जैन ने बताया कि ग्राम घर निवासी संजय के दोनों पैर बस के नीचे दबने से कुचल गए हैं और उन्हें रेफर किया गया है। उनकी पत्नी को भी चोट आई है। टांडा अस्पताल में अब तक 7 घायल पहुंचे हैं।

संस्कारों की धरोहर से विश्व धरोहर को किया जा सकता है संरक्षित : बीके डॉ. रीना दीदी



भोपाल। ब्रह्माकुमारी संस्थान ब्लेसिंग हाउस सेवाकेंद्र द्वारा विश्व धरोहर दिवस को भारतीय संस्कृति, मूल्यों और प्राचीन धरोहरों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के अवसर के रूप में मनाया गया। सेवा केंद्र प्रभारी बीके डॉ. रीना दीदी ने बताया कि विश्व की धरोहर का संरक्षण करने के लिए ब्रह्माकुमारी का शिपिंग, एविएशन एवं टूरिज्म प्रभाग के अंतर्गत विश्व धरोहर दिवस पर

'मेरी संस्कृति, मेरी पहचान' कार्यक्रम के माध्यम से देश की विरासतों को संभालने का संदेश दिया गया। दीदी ने कहा कि विश्व की धरोहर को संभालने के लिए हमें समाज में संस्कारों की धरोहर को भी बचाना होगा। दीदी ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और देवभूमि के रूप में भारत की पहचान पर भी प्रकाश डाला इस अवसर पर ऐतिहासिक मंदिर भोजपुर में 1 घंटे का विशेष राजयोग में डिस्टेंशन

किया गया, राजयोग में डिस्टेंशन द्वारा देश की विरासतों को बचाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के पश्चात उपस्थित सभी भाई बहनों को बीके डॉ. रीना दीदी ने विश्व की धरोहर को संरक्षित करने के लिए प्रतिज्ञा कराई। दीदी ने कहा कि विरासत, संस्कृति और मानवीय मूल्यों का प्रतिनिधित्व करती है। इसलिए आइए हम इसे संरक्षित करने का संकल्प लें।

सिंहरथ की तैयारी, 2,451 करोड़ से चमकेगा उज्जैन का इंफ्रास्ट्रक्चर

उज्जैन (नप्र)। बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन को वैश्विक स्तर के धार्मिक और पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए सरकार ने मास्टर प्लान तैयार कर लिया है। इस योजना का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा शिप्रा नदी को प्रदूषण मुक्त बनाना और घाटों का विस्तार करना है। इसके लिए ₹ 2,698 करोड़ की भारी-भरकम राशि आवंटित की गई है, जो नदी के जीर्णोद्धार और श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर खर्च होगी।

शिप्रा में मिलने वाले काह नदी के प्रदूषित पानी को रोकने के लिए 919 करोड़ का क्लोज्ड-ड्रकट डायवर्जन प्रोजेक्ट शुरू किया जा रहा है। इसके तहत 30 किलोमीटर लंबी नहर और एतनल प्रणाली बनाई जाएगी। इसके अलावा, 614 करोड़ के सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी प्रोजेक्ट के जरिए 51 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी का भंडारण और विनियमन किया जाएगा, जिससे नदी में जल स्तर बना रहे।

टीकमगढ़ में कुएं में मिला मां-बेटे का शव

2 दिन से लापता थी महिला; मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर लगाया हत्या का आरोप



टीकमगढ़ (नप्र)। टीकमगढ़ के बल्देवाड़ थाना क्षेत्र के भेलसी गांव में एक महिला और उसके दो साल के बेटे शव कुएं में सदिग्ध परिस्थितियों में मिले हैं। शुक्रवार शाम ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कुएं से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इस घटना के बाद मृतका के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। आज शनिवार को दोनों का पीएम कराया गया।

भाई ने हत्या कर कुएं में शव फेंकने का लगाया आरोप- जानकारी के अनुसार, ग्राम भेलसी निवासी काशीबाई (28) पत्नी रहलु लोधी और उनके दो साल के पुत्र अभिराज के शव गांव के एक कुएं में मिले। बल्देवाड़ थाना पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शवों को बाहर निकाला।

मृतका ने ससुराल पक्ष के खिलाफ की थी मारपीट की शिकायत एसडीओपी रहलु कट्टर ने बताया कि मामला सदिग्ध है और जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। उन्होंने दोषियों को बख्शा नहीं जाने का आश्वासन दिया। बताया जा रहा है कि 13 अप्रैल को महिला ने पति और परिजनों के खिलाफ मारपीट की शिकायत थाने में की थी। वहीं, परिजनों का आरोप है कि गुमशुदगी की सूचना देने पर भी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की थी। फिलहाल, पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

भंसाली की रोमांटिक ड्रामे की दस्तक

प्रयोगधर्मी फिल्मकारों में संजय लीला भंसाली का नाम आज के दौर में अटल है। वे हर बार अपनी फिल्मों में कुछ नया करने की कोशिश करते हैं। अब उनकी फिल्म 'लव एंड गॉड' में वे फिर कुछ नया करने वाले हैं। उनके निर्देशन में बनी वेब सीरीज 'हीरा मंडी' और पहले 'गंगूबाई काठियावाड़ी' ने भी जमकर मनोरंजन किया था। भंसाली 'लव एंड गॉड' को अपनी सबसे महत्वाकांक्षी रोमांटिक ड्रामा फिल्म बताते हैं।

संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड गॉड' की रिलीज डेट आ गई है। रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल स्टार यह मोस्ट अवेटेड फिल्म आगले साल गणतंत्र दिवस के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। भंसाली प्रोडक्शन ने शुक्रवार को इसका ऐलान किया है। यह रोमांटिक ड्रामा फिल्म रिपब्लिक डे इन्टरनेशन वीकेंड पर छाने के लिए तैयार है, जो गुरुवार, 21 जनवरी 2027 को दुनियाभर में रिलीज होगी। एक ओर जहां, इस फिल्म का हर बॉलीवुड फैन को बेसब्री से इंतजार है। बॉक्स ऑफिस पर इसका सामना 'कांतारा' फेम ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'छत्रपति शिवाजी महाराज' से होने वाला है।

इसमें कोई दोराय नहीं है कि संजय लीला भंसाली मौजूदा दौर के सबसे बेहतरीन फिल्ममेकर हैं। परंपरे पर भावनाओं की भव्य दुनिया रचने में उनका कोई जोर नहीं है। ऐसे में जब से उन्होंने 'लव एंड गॉड' का ऐलान किया था, तब से ही इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई थी। खासकर इसकी स्टारकास्ट, जिसमें रणबीर कपूर, विक्की कौशल



और आलिया भट्ट की शानदार ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री देखने को मिलेगी।

बतौर डायरेक्टर संजय लीला भंसाली ने हिंदी सिनेमा को खामोशी, हम दिल दे चुके सनम और 'देवदास' से लेकर राम लीला, बाजीराव मस्तानी और 'पद्मावत' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों दी हैं।



उनके निर्देशन में वेब सीरीज 'हीरामंडी' और उससे पहले 'गंगूबाई काठियावाड़ी' ने भी खूब मजमा लूटा। अब बारी 'लव एंड गॉड' की है। भंसाली इसे अब तक की अपनी सबसे महत्वाकांक्षी रोमांटिक ड्रामा फिल्म बताते हैं। दूसरी ओर, शदी के बाद रणबीर कपूर और आलिया भट्ट पहली बार परंपरे पर एक साथ नजर आएंगे। ऐसे में एक्साइटमेंट चार गुनी है।

हमेशा की तरह भंसाली ने अपनी फिल्म 'लव



एंड गॉड' की कहानी को लेकर कोई खुलासा नहीं किया है। लेकिन इतना जरूर बताया है कि यह एक ग्रैंड लेवल पर बनी रही इमोशनल कहानी है। इसे देश की सबसे बड़ी लव सागा और सबसे शानदार रोमांटिक फिल्मों में से एक बताया जा रहा है। मेकर्स के मुताबिक, फिल्म की कहानी

प्यार की गहराई, रिश्तों के संघर्ष और गहरे जज्बातों की पुष्टभूमि पर बनी है। इसमें दर्शकों को प्यार, दोस्ती, धोखा और जुनून जैसी भावनाओं के अलग-अलग पहलुओं को देखने का मौका मिलेगा। संजय लीला भंसाली इंडस्ट्री के उन चुनिंदा डायरेक्टरों में से हैं, जो परफेक्शन पर पूरा ध्यान देते हैं। उनकी फिल्मों की खास पहचान ऐसी कहानी होती है, जो आपको अपनी दुनिया में गोले लगाने पर मजबूर कर दे। लाजवाब विजुअल्स और दिल को छू लेने वाला संगीत, यह सब भंसाली प्रोडक्शन की खासियत है। फिल्म की स्टारकास्ट भी तगड़ी है। रणबीर, आलिया और विक्की कौशल तीनों ही बेहतरीन एक्टर्स हैं, तो क्या भंसाली की पिछली फिल्मों की तरह यह भी एक मास्टरपीस साबित होगा बहरहाल, इसके लिए टीजर, ट्रेलर और फिर फिल्म की रिलीज का इंतजार करना होगा।

अब जब 'लव एंड गॉड' की रिलीज डेट का ऐलान हो गया है। 21 जनवरी 2027 को ही 'कांतारा' फेम ऋषभ शेट्टी भी नई फिल्म लेकर आ रहे हैं। उनकी पीरियड ड्रामा 'छत्रपति शिवाजी महाराज' पहले से ही इसी तारीख पर रिलीज का ऐलान कर चुकी है। इस फिल्म को संदीप सिंह डायरेक्टर कर रहे हैं, जबकि लीड रोल में ऋषभ शेट्टी के अलावा दिवंगत आशा भोसले की पोती जनाई भोसले, शेफाली शाह और अर्जुन रामपाल भी हैं।

कंगना ने बताई चिराग संग रिश्ते का सच

अभिनेत्री से राजनेता बनीं कंगना रनौत ने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के साथ अपने संबंधों को लेकर चल रही अटकलों पर सफाई दी। साथ ही उन अफवाहों पर भी विराम लगा दिया, जिसमें दोनों के रोमांटिक एंगल की बातें कही जा रही थीं। ये अफवाह कुछ समय से चल रही थीं, खासकर तब से जब दोनों को कुछ सार्वजनिक कार्यक्रमों में साथ देखा गया था। अब कंगना रनौत ने इन अफवाहों पर विराम लगाते हुए यहां तक कह दिया कि अगर इनमें सच्चाई होती तो आज हमारे बच्चे हो गए होते।

कंगना रनौत ने इन अफवाहों और वायरल तस्वीरों पर बिना किसी अस्पष्टता के जवाब दिया। एएनआई से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'नहीं, नहीं,



चिराग मेरे दोस्त हैं। जब मैं उन्हें देखती हूँ, तो मुझे एक दोस्त की याद आती है। साफ-साफ कहूँ तो हमारे बीच कोई रोमांस नहीं है। हमने लगभग 10 साल पहले साथ में फिल्म की थी। अगर रोमांस होता, तो आज हमारे बच्चे होते। इसके बाद उन्होंने अपने रिश्ते के बारे

में थोड़ा और बताया, इसे रोमांटिक के बजाय सहज और आत्मीय बताया। उन्होंने आगे कहा कि अगर मैं रोमांस करना चाहती, तो हो जाता। ऐसा नहीं हो रहा है। वो दोस्ताना पहचान है, जो आपको किसी ऐसे व्यक्ति से मिलता है जो बिल्कुल आपके जैसा हो, मतलब

विद्या बालन को 6 साल तक 'मंजुलिका' समझा

फिल्म 'भूत बंगला' के प्रमोशन के दौरान अक्षय कुमार ने बताया कि यह उनकी पिछली हॉर कॉमेडी फिल्म 'भूल भुलैया' से किस तरीके से अलग है। अक्षय कुमार ने 'भूल भुलैया' फिल्म से जुड़ा हुआ एक किस्सा शेयर किया। उन्होंने बताया कि साल 2007 में जब फिल्म रिलीज हुई थी, तो उनके बेटे आरव पर इसका बहुत ही गहरा प्रभाव पड़ा। आरव तब विद्या बालन के किरदार से इतना ज्यादा डर गया था कि फिल्म देखने के बाद में 6 साल तक वह विद्या बालन से डरता रहा।

विद्या बालन जब भी हमारे घर आती, तो वह उनसे मिलने के लिए मना कर देता और उनकी आंखों में

देखा तक नहीं। आरव को विद्या बालन में मंजुलिका नजर आती थी। अक्षय कुमार ने आगे बात करते हुए कहा कि उसको विद्या बालन से एक



तरीके की दिक्कत हो चुकी थी। मुझे असल में उसको समझाना पड़ गया था कि वह मंजुलिका नहीं है वह विद्या बालन है। वह एक बहुत ही अच्छी इंसान है। लेकिन, उसको बिल्कुल भी यकीन नहीं हो रहा था और 6 साल

तक वह उसी डर से जुड़ता रहा। अक्षय कुमार ने बताया कि 'भूल बंगला' साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म 'भूल भुलैया' से कैसे अलग है। उन्होंने इस पर बात करते हुए कहा कि 'भूल बंगला' एक हॉर फंटेसी फिल्म है। यह एक डिज्नी फिल्म की तरह ही है। 'भूल भुलैया' एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर थी। जब फिल्म शुरू होती है तो आपको देखने के लिए मिलता है कि उस पर किसी का साया होता है और बाद में पता चलता है कि वह किसी मानसिक समस्या से जुड़ रही है। लेकिन भूल बंगला फिल्म में हमने इस बात को समझाया है कि वधुसुर कैसे आया था और वह जो कर रहा है वह क्यों कर रहा है।

बाहर तपन का महीना, ठंडक दे हसीना

फिल्मकार जानते हैं कि यदि दर्शकों की आंखों को तर कर दिया जाए तो उनका मन मस्तक सभी कुछ तर हो जाएगा और वह चवालीस सेटिंग्रेंड की गर्मी में तपते हुए जब परदे पर भीगी भीगी नायिका को देखेंगे तो उनकी 'लू' पल में उतर जाएगी। भीगी भीगी नायिका बरसात से दर्शकों का तन और मन तर करती आयी हैं। इन नायिकाओं में नई पुरानी सभी नायिकाएं शामिल हैं। यदि गुजरने जमाने की बात करें तो मधुबाला को अपने भीगे बदन से दर्शकों को तरबतर करने में महारत हासिल थी। चलती का नाम गाड़ी में जब वह दर रात भोग कर गैरज में अपनी खराब कार सुधरवाने आती है तो गर्मी से तपते दर्शकों की तबीयत सुधरने लगती है। बरसात की रात में जब दर्शक उसे भीगे पल्लू को निचोड़ते हुए देखते हैं तो उनके सीने पर भी उस नायक की तरह तीर चलने लगते हैं जो कहता है सुखें आंचल को दबाकर जो निचोड़ा उसने दिल पर जलता सा एक तीर छोड़ा उसने।

नायिकाओं को यदि परदे पर सबसे ज्यादा भिगोकर दर्शकों को तर करने वाले किसी एक फिल्मकार का नाम लेने को कहा जाए तो हर किसी के लब पर बॉलीवुड के ग्रेटेस्ट शोमैन राज कपूर का नाम आएगा। जिनकी पहली फिल्म भले ही आग हो लेकिन दूसरी फिल्म 'बरसात' से उन्होंने अपनी तमाम नायिकाओं को भिगोने का जो सिलसिला आरंभ किया वह मरते दम तक नहीं छोड़ा। राजकपूर की फिल्मों



में नायिकाएं जितना भीगी है उतनी किसी और फिल्मकार की फिल्मों की नायिकाओं को नहीं भिगोया है।



बरसात में उन्होंने निम्मी और नरगिस को भिगोया तो आवारा में छोटे से पोखर में नरगिस को बिकनी पहना कर खूब पानी में छलांग लगावा है। श्री चार सी बौस में बरसात में भीगती नरगिस और राज कपूर का गीत प्यार हुआ इकरार हुआ आज भी देखने वालों को अंदर तक तर बतर कर देने की क्षमता रखता है। जिस देश में गंगा बहती है में उन्होंने पवित्री को जमकर पानी के झरने और पोखर में नहलाया है तो संगम में बिकनी पहनी वैजयंती माला को नहाते देख जब राज कपूर कहते हैं बोल राधा बोल संगम होगा कि नहीं तो राधा बोले या न बोले दर्शक जरूर भीगकर कहते थे होगा ... होगा ... होगा ! और मेरा नाम जोकर में तो उन्हीं सिम्मी और पवित्री दोनों को भिगोने का मौका मिला। हवा के थपड़े और पानी की



बौछार में भीगती पवित्री जब कहती है अंग लग जा बालमा तो दर्शकों को यही लगता है कि पवित्री उन्हीं से यह अनुरोध कर रही है। राज कपूर ने इसके बाद सत्यम शिवम सुंदरम में जीनत को झरने में नहलाया तो राम तेरी गंगा मैली में झीने कपड़े पहने मंदाकिनी ने झरने में नहा कर दर्शकों की खूब लू उतारी है। राज कपूर के बाद मनोज कुमार ने भी नायिकाओं को खूब नहलाया है। रोटी कपड़ा मकान में लाखों का सावन जाए का ताना मारकर भीगती जीनत अमान, पानी रे पानी तेरा रंग कैसा में उन्होंने जया को भिगोया और जिन्दगी न टूटे लड़ी में हेमा मालिनी को जर्जरों से जकड़ कर खूब भिगोया है। देव आनंद ने देस परदेस में तू पी और जी में तो टीना मुनीम को शराब के ड्रम में डुबोकर दर्शकों को ठंडक

परोसी है। चक्र में सिता पाटिल को नहाते देख दर्शक तर हो गए तो दयावान में बाधरूम में विनोद खन्ना को नहाते नहाते माधुरी जिस तरह से भिगी है दर्शकों को विनोद खन्ना की तकदीर से जलन होने लगी थी। वैसे देखा जाए तो नायिकाओं के स्नान-पुराण बहुत लम्बा है लेकिन यह तो तय है जब जब नायिकाएं परदे पर भीग कर आती हैं बाहर का तापमान चाहे कुछ भी हो सिनेमा हॉल में बैठे दर्शक की आत्मा में ठंडक जरूर उतर जाती है।



अशोक जोशी



मैं एयर कंडिशनर हॉल में भी तपन महसूस कर रहे दर्शकों को शीतलता प्रदान करने का फार्मूला न केवल इजाजत किया, बल्कि सफलतापूर्वक उसे लागू कर बॉक्स ऑफिस पर सिक्कों की बरसात करवाई है।

